भारत सरकार **राज्य सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 848**
(वाणिज्य विभाग)

दिनांक 06 फरवरी 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

निर्यात पारितंत्र को मजबूत करने में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की भूमिका

848. **श्री जग्गेश**:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत के निर्यात पारितंत्र को मजबूत करने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम महत्वपूर्ण/निर्णायक भूमिका निभाते हैं;
(ख) क्या सरकार वैश्विक बाजारों में भारत की उपस्थिति को मजबूत करने हेतु कोई नई योजना लाने का विचार रखती है;
(ग) क्या सरकारी निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को, उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए विशेष प्राथमिकता दी जाती है;
(घ) क्या अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को समर्थन देने से उन्हें नए बाजारों और खरीददारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलती है;
(ङ) क्या भारत के निर्यात बास्केट के विविधीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की भागीदारी आवश्यक है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्यमंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारत के निर्यात पारितंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनका हिस्सा वर्ष 2024-25 में कुल व्यापारिक माल के निर्यात का 48.55% है और श्रम प्रधान और मूल्य-वर्धित उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

(ख) और (ग) केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 12 नवम्बर 2025 को **निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम)** स्कीम को मंजूरी दी है जिसका उद्देश्य भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना और वैश्विक बाजारों में निर्यातकों, विशेष रूप से **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)** को लक्षित सहायता प्रदान करना है।

ईपीएम दो एकीकृत उप-स्कीमों के माध्यम से संचालित होगी:

- निर्यात प्रोत्साहन- ब्याज सहायता, निर्यात फैक्टरिंग, निर्यात ऋण के लिए आनुषंगिक गारंटी, ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए ऋण और निर्यात विविधीकरण के लिए ऋण प्रोत्साहन सहायता जैसे साधनों के माध्यम से व्यापार हेतु वित्त तक पहुंच बनाने में सुधार पर ध्यान कैंद्रित करती है; और
- निर्यात दिशा- निर्यात गुणवत्ता और अनुपालन सहायता, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिग और पैकेजिंग, बाजार पंहुच पहल, निर्यात लॉजिस्टिक्स तथा भंडारण, और व्यापार आसूचना जैसे अन्य व्यापार एनेबलर्स पर ध्यान केन्द्रित करती है।

(घ) से (च) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आइटीएफ) भारतीय व्यवसायों को नए बाजारों तक पहुंचाने और नए खरीदार बनाने के लिए संपर्क प्रदान करते हैं। निर्यात प्रोत्साहन मिशन के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन और निर्यात दिशा भारतीय व्यवसायों, विशेष रूप से एमएसएमई को ऐसे व्यापार मेलों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगा।

ईपीएम निर्यात दिशा के अंतर्गत बाज़ार पहुंच सहायता की मध्यस्थताओं के तहत एमएसएमई सहित भारतीय निर्यातकों की वैश्विक पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधिमंडलों, प्रदर्शनियां और क्रेता-विक्रेता बैठकों में भागीदारी को सुगम बनाने के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

****